



## स्वतंत्रता दिवस-निदेशक उद्बोधन



आज हम स्वतन्त्र भारत का 74वाँ स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस के इस अवसर पर ध्वजारोहण स्थल पर उपस्थित सभी संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी, बाहर से आये अतिथि गण, निवास स्थान और कार्यस्थल से जूम के माध्यम से जुड़े सभी लोगो का मैं स्वागत और अभिनन्दन करता हूँ।

आज के अवसर पर सभी को बधाई और शुभकामनायें। आज का दिन वह गौरवशील दिन है जब हम अपने सभी स्वतंत्रता सेनानियों को याद करते हैं और श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने हमारे भारतवर्ष को विदेशियों के चंगुल से छुड़ाया था। इन सभी सेनानियों ने अपना सर्वस्व बलिदान करके हमें

आजादी दिलाई थी और इन्हीं के कर्मों की वजह से हम आजाद राष्ट्र में सांस ले रहे हैं। श्रद्धांजलि का अर्थ है उन लोगो के बताये हुए मार्ग पर चलकर सभी उपयुक्त कर्तव्यों का पूर्णतया पालन करना। आज देश के शहीदों को नमन करने का पर्व तो है ही, उसके साथ ही हम बॉर्डर पर डटे हुए अपने सुरक्षाकर्मियों का भी नमन करते हैं।

आज आप सब जानते हैं कि हमारे सामने बहुत बड़ी चुनौती है, और वो है कोरोना की। साथियों कोरोना के संक्रमण को देखते हुए आज का कार्यक्रम भी एक सीमित संख्या के लोगो के साथ आयोजित किया गया है, और मुझे खुशी है कि सभी उपस्थित लोग मास्क, डिस्टन्सिंग का पालन कर रहे हैं।

इस महामारी के समय पुरे उत्तर प्रदेश की नजरे संजय गाँधी पी जी आई पर ही टिकी है। हमारा संस्थान एक रोल मॉडल बन गया है और ये संस्थान के एक एक कार्यकर्मी की मेहनत और लगन का नतीजा है। सब टीमवर्क के कारण है। ऐसी निष्ठा और कर्मठ सोच से हम सभी चुनौतियों पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।

हम लोगो ने इस बीमारी से लड़ने के लिए बहुत पहले ही ठान ली थी। 22 मार्च को कोविड वार्ड फैंसिलिटी प्रारम्भ कर दी गयी थी, यह भांपते हुए की मरीजों के संख्या बढ़ेगी, अपैक्स ट्रामा सेंटर को स्टैंड-अलोन कोरोना हॉस्पिटल बनाने का निर्णय लिया गया। 210 बेड्स में से करीब 80 आई सी यू बेड्स हैं, और जैसा हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा, आने वाले दिनों में आई सी यू बेड्स बढ़ाने भी पड़ सकते हैं। इस हॉस्पिटल का कार्य टीम वर्क के कारण संभव है। 17 टीम भाँति भाँति के कार्य संभाल रही है और हर पहलू पर निरंतर निगरानी रखे हुए हैं। मैं सभी को (चाहे वह संकाय सदस्य हो, नर्सिंग स्टाफ हो, पेशेंट हेल्पर हो, सेनेटरी वर्कर हो) धन्यवाद देना चाहूँगा।

इसके अलावा हमने एक 134 बेड का होल्डिंग एरिया भी तैयार किया है। यह पुराने ओ पी डी ब्लॉक में हैं यहाँ उन मरीजों को रखा जाता है जिनका आगे जाकर अस्पताल में इलाज होना है जब तक उनकी कोविड टेस्ट की रिपोर्ट नहीं आ जाती है ताकि यदि वे पॉजिटिव आए तो संक्रमण सारे हस्पताल में न फैले। स्टेबल मरीजों को होल्डिंग एरिया में रखते हैं और अनस्टेबल मरीजों को राजधानी कोविड हॉस्पिटल में भेज दिया जाता है।

किसी स्वास्थ्य कर्मी को यदि संक्रमण हो जाए तो उनके लिए एक अलग वार्ड बनाया है और उनके लिए इलाज की पर्याप्त व्यवस्था है अप्रैल के महीने में जब कोविड के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी और ओ पी डी को बंद करना पड़ा तब हमने 26 विभागों की eOPD आरम्भ की, जहाँ पर संकाय सदस्य एवं रेसिडेंट्स उपचार प्रदान करते हैं। जब से eOPD शुरू हुई है करीब 36000 मरीज इसका लाभ उठा चुके हैं।

ये तो रही हमारे अपने अस्पताल की बात, प्रशासन ने कहा कि जिस तरह की व्यवस्थाएँ यहाँ पर हैं, ऐसे और मेडिकल कॉलेजेस में भी होनी चाहिए, तो उसके लिए हमने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण शुरू किया। 65 सेशन द्वारा 52 मेडिकल कॉलेजेस (सरकारी और प्राइवेट), 16663 स्वास्थ्य कर्मियों, मुख्य रूप से डॉक्टर और नर्सज को प्रशिक्षित किया गया है। संस्थान की तरफ से प्रदेश को ये योगदान दिया गया और इसके लिए मैं आप सभी का आभारी हूँ। सरकार ने सभी मेडिकल कॉलेजेस में आई सी यू बेड्स बढ़ाने का फैसला किया है और इसके लिए कार्य बल को प्रशिक्षित करने की जिम्मेदारी भी संजय गाँधी पी जी आई को दी गई है। इसके लिए रोज शाम 4 से 6 बजे तक केस डिस्कशन के माध्यम से ट्रेनिंग दी जाती है।

बिल गेट्स फाउंडेशन ने हमें आमंत्रित किया है कि इसी आईसीयू मॉडल से सभी 52 मेडिकल कॉलेजेस को संजय गाँधी पी जी आई द्वारा ट्रेनिंग प्रदान की जाए। वेंटीलेटर सेटिंग्स, हाई फ्लो कैनुला और बाइपैप का उपयोग इत्यादि प्रशिक्षण इसी आईसीयू मॉडल द्वारा हम प्रदान करेंगे।

ये सभी तब संभव है यदि हम सब मिलकर काम करें। मैं इस संस्थान का ऋणी हूँ, यहीं पर मैंने डी. एम की ट्रेनिंग प्राप्त की आज बतौर डायरेक्टर मैं इस संस्थान को



कंट्रीब्यूट करना चाहता हूँ और इसके लिए आपके सहयोग का अभिलाषी हूँ। जहाँ तक प्राथमिकताओं का सवाल है। मैं हर कैडर पर ध्यान देना चाहूँगा। पेशेंट हेल्पर्स, सेनेटरी वर्कर, नर्सिंग स्टाफ, टेक्नीकंस, डॉक्टर्स ये सब मेरी जिम्मेदारी है, क्योंकि यही सब संस्थान की स्ट्रेंथ हैं।

जैसे लिवर की यूनिट लिवर सेल है, उसी तरह संस्थान की यूनिट एक विभाग है, चाहे वो बड़ा हो या छोटा, जब हर विभाग का कार्य सही है तभी संस्थान तरक्की करेगा। आज के दिन मेरा ये आपसे वादा है कि मैं पूरा सहयोग दूँगा, हर डिपार्टमेंट के उत्थान के लिए।

प्रमोशन और डी.पी.सी. के लिए लगभग सभी होमवर्क हमने कर लिया है, फैकल्टी के लिए हमें बहुत कुछ करना है, प्रमोशन, ट्रेनिंग प्रोग्राम्स करने हैं। फैकल्टी के रिक्रूटमेंट और नॉन-फैकल्टी के रिक्त पोस्ट्स के लिए भी हम कार्यरत हैं। गवर्निंग बॉडी मीटिंग करने की पेंडिंग डिमांड को भी हमने पूरा किया है और बहुत महत्वापूर्ण निर्णय हमने लिए हैं।

हेपटोलॉजी विभाग का क्रिएशन हुआ है, ये सिर्फ लीवर की बीमारियों से ग्रसित मरीजों के लिए होगा लिवर ट्रांसप्लांट प्रोग्राम शुरू किया जाएगा और अपने ही प्रदेश में मरीज उचित दाम में लीवर ट्रांसप्लांट करवा पाएंगे। हमे उम्मीद है की अगले साल के बाद से प्रदेश के किसी भी मरीज को लीवर ट्रांसप्लांट कराने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। माननीय मुख्यमंत्री जी का भी यही मानना है। हृदय, लंग्स, पैक्रियास का ट्रांसप्लांट संस्थान में ही हो, इसकी भी हम उम्मीद रखते हैं और ऑर्गन ट्रांसप्लांट की भी एक मुहिम छेड़ा जाए ये दोनों विषय मेरे दिल के बहुत करीब हैं।

एडवांस्ड एंडोक्रिनोलॉजी और डायबिटीज सेण्टर की घोषणा मेरे आने से पहले ही हो गयी थी। हर डायबिटिक मरीज को सारा इलाज एक छत के नीचे उपलब्ध होगा। एडवांस्ड ऑन्कोलॉजी सेण्टर का निर्माण भी हो गया है, इमरजेंसी मेडीसन, रीनल ट्रांसप्लांट सेण्टर का कार्य भी गतिशील है।

लोकल फॉर वोकल के तहत संस्थान स्टार्ट अप्स को जगह देगा और इंडिजेनस प्रॉडक्ट्स डिवेलप करने के लिए मदद करेगा ये सब समय की मांग है। मैं आशावादी हूँ और मेरे सहयोगी मेरे साथ हैं, इन सभी कार्यों पर हम खरे उतरेंगे मुझे विश्वास है। आप सबके सहयोग का मैं आभारी हूँ और इच्छुक हूँ कि इसी तरह से ये आगे चलता रहेगा ताकि हम प्रदेश और देश के लोगों की सेवा कर सकें सारा देश हमको कोरोना योद्धा समझता है। योद्धा तो हम हैं ही, आगे भी हमें इस लड़ाई को जीत कर दिखाना होगा। बार बार एपिडेमिक्स आती हैं, कभी बर्ड फ्लू, स्वाइन फ्लू, डेंगू, मलेरिया कोरोना पहली और अंतिम नहीं हैं।

संस्थान में इसके लिए एक एडवांस्ड सेण्टर होना चाहिए। इसके लिए इन्फेक्शंस डिपार्टमेंट और वैक्सीन सेण्टर का प्रस्ताव हम बना कर भेजेंगे। एडवांस्ड कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, पीडियाट्रिक सेंटर को भी स्थापित करना होगा और जिस प्रकार से ओ पी डी के मरीजों की संख्या बढ़ रही है एक नए ब्लॉक की भी जरूरत होगी।

हमें पता है के एस.जी.पी.जी.आई. एक नेशनल इम्पोर्टेंस का इंस्टीट्यूट है। लेकिन ये स्टेटस अभी तक भारत सरकार से नहीं मिला है उसके लिए हमें प्रोग्रेस और मेहनत करनी होगी, स्टैंडर्ड बढ़ाना होगा, ऐन,आर.आई.एफ. स्टैंडर्ड।

5 से 3 पर तो हमें जाकर ही रहना है।

आज के दिन हम संस्थान के उम्दा कर्मचारियों को सम्मानित करेंगे.. हमे विश्वास है

“हम” में “मैं” में नहीं

“हम” मतलब टीमवर्क.....

सब कार्य हमे टीमवर्क से करने है

जय हिन्द, जय भारत

संजय गांधी पीजीआई के निदेशक डॉ आर०के० धीमन को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा गठित स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा बोर्ड का अंशकालिक सदस्य बनाया गया है। उनका कार्यकाल ३ वर्ष का होगा। भारत सरकार ने इस संबंध में राजपत्र जारी किया है। इसके अनुसार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के अंतर्गत 4 बोर्ड्स का गठन किया गया है। जिन बोर्ड का गठन किया गया है उनमें स्नातक चिकित्सा शिक्षा बोर्ड, स्नातकोत्तर शिक्षा बोर्ड, चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड तथा आचार और चिकित्सा पंजीकरण बोर्ड शामिल हैं।

### From the editorial desk.....

Public health ethics during pandemics or outbreaks may mandate a different focus than traditional moral code and clinical ethics.

A disease outbreak, such as COVID-19, is an extreme public health crisis where the health and safety of the population is at risk and the needs of the community potentially outweigh the needs of individuals in such crises.

To enjoy the festival season ahead, we need to be responsible and cautious. To state the obvious : Stay at home unless necessary, connect with family and friends online.

Frequent hand hygiene, Social distancing and Masks are the

tripod of protection !

Respiratory etiquette, avoidance of close-contact settings and confined and enclosed spaces with poor ventilation and shielding and protection for vulnerable groups are all a must.

There seems to be a behavioral fatigue which has set in, If however we think of “Living with Covid” as the “New Normal” there may be more acceptance.

**“When you walk through the storm hold your head up high... at the end of the storm is a golden sky...”**

The Editorial board wishes everyone a happy, safe and healthy Festival season.

**Dr Prerna Kapoor**

## Extension of Community Health Outcomes (ECHO) Program



In this pandemic of Covid 19 the regular training of healthcare workforce is an essential factor for the better health of patients and medical staff. Based on Hub and Spoke model, SGPGIMS is providing training to 52 medical colleges, health care workers and paramedical staff under the aegis of Extension of Community Health Outcomes (ECHO) programme. This training consists of 11 modules related to outbreak, transmission, symptoms, sample collection, standard precautions, creation of Covid 19 facility, quarantine of patients and HCW, hospital management etc.

The Course Director is **Prof R. K Dhiman, Director**, SGPGIMS and Co-Director is **Prof R. K Singh, Head**, Department of Emergency Medicine, SGPGIMS and Nodal Officer, Rajdhani Covid Hospital. Honorable Minister

**Shri Suresh Khanna ji**, Minister of Medical Education, Finance & Parliamentary Affairs, Government of Uttar Pradesh inaugurated this unique teaching platform, a need of the hour.

### Virtual ICU Rounds

Apart from taking care of the 80 bedded ICU of Rajdhani covid Hospital, SGPGI is also shouldering the responsibility of giving training to the faculty of 52 medical colleges across the state for protocolising treatment of sick patients who are on ventilatory support. On the initiative taken by the state government of Uttar Pradesh, particularly **Honorable Chief Minister** of Uttar Pradesh, **Yogi Adityanath ji**, SGPGI started virtual ICU rounds through ECHO platform, wherein 52 medical colleges of UP were connected via video conferencing to train the doctors in ICU management.

Everyday in the evening from 4 to 5:30, faculty and students of 2-3 medical colleges discuss their difficult cases with SGPGI faculty and get expert opinion and proper guidelines from ICU experts. This enables a close watch on the entire management of the ICU care in these medical colleges. Directives can be given to them on Ventilatory management for covid-19 positive patients through video conferencing.

Main objectives of virtual ICU management through ECHO are:

1. Disease severity classification
2. To protocolise management
3. To have uniformity in the management of ICU care
4. Clinical expertise in the management of ICU by interactions among the faculty and students of various medical colleges.
5. The main emphasis is on patient outcome. To improve covid19 ICU management in all the medical colleges of the state in order to reduce patient mortality in ICU.

## Capacity building Programs at SGPGIMS

Medical treatment of the sharply rising number of COVID-19 positive patients has placed tremendous strains on health care resources, particularly the management of patients admitted to L3 facilities. The demand of specialist health-care workers is also increasing for managing critical aspects of the COVID treatment. This is important to manage critically ill patients, and to improve survival.

Accordingly, it is imperative to undertake a targeted capacity building program to train, and to refresh, health care workers in their skills for the management of critically ill COVID patients, including in respect of oxygen therapy, ABG analysis, ventilator operations, SGPGIMS COVID-19 Management Protocol etc.

Till date seven such programs have been organized by the Department of Anesthesiology under the leadership of **Dr Anil Agarwal**, Professor and Head Department of Anaesthesiology in the last one month and a total of 159 Faculty members and residents across different specialties including, Cardiology, Gastroenterology, Surgical Gastroenterology, Immunology, Radiology, Transfusion medicine, Orthopedics, Endocrinology, Endocrine Surgery, Maternal and reproductive health have been trained.

**Dr Sujeet Gautam** Additional Professor Anaesthesiology and nodal officer Capacity Building Program, informed very soon Department of Anesthesiology is also starting similar programs on a regular basis for nursing staffs being posted in RCH.

## Quarantine Management of COVID Healthcare Workers at SGPGI: the story so far

### Committee members:

Prof Amit Gupta (Ex- chairman)  
 Prof Narayan Prasad (Present Chairman)  
 Prof Samir Mohindra  
 Dr Raghavendra Lingaiah  
 Dr Sidharth Rai  
 Dr Pawan Kumar Verma  
 Dr Kuntal Kanti Das

Dr Kamlesh Singh Bhaisora  
 Dr Ashish Singh  
 Dr RP Singh  
 Dr Amit Goel  
 Dr Dharmendra Bhadauria  
 Dr Kuldeep Vishwakarma

No one probably imagined, while embracing the year 2020, that our "mighty" lives were soon going to be changed drastically by one of the "tiniest" of creatures, a virus, not yet known to the mankind. Ever since, the healthcare workers (HCWs) have been relentlessly striving to manage the rising number of corona virus affected patients. Provision of quarantine facility for the HCWs has been one of the tougher challenges for the institute. The accommodation, food, and testing of these HCWs was a herculean task. The quarantine management committee was entrusted with the responsibility of arranging space, ensuring room allocation to the HCWs and maintaining these facilities.

The facilities activated for active quarantine were: Patient Relative Accommodation, (PRA I & II), **Dr BC Joshi** guest house, the entire B-block of the main Hospital building, old PG hostel (15 rooms for Microbiology technicians) and the hostel of the College of Medical Technology. Passive quarantine facilities were arranged in various hotels designated by the state government like the Piccadilly, the Oyo group of hotels and Cygnett. The committee members undertook multiple visits to these areas including the out of campus hotels, often placing themselves at a serious risk of contracting the infection, to ensure these facilities were suitably organized for our HCWs as well as to allay apprehensions of the hotel staffs. Back here, the greatest challenge was to collaborate with the kitchen committee and the transport committee so that a balance could be provided between work at RCH and perhaps more importantly, the time off work. A close cooperation between the healthcare workers infection control committee ensured that the HCWs got their RTPCR test done on time to go back to their homes at the end of 14 days of passive quarantine. Accidental exposures in the non-COVID areas also led to acute crisis in the availability of the rooms. The engineering departments of the institute provided the necessary support. It took a great deal of pursuance to quickly equip these areas with basic amenities like beddings, toiletries, 24 hours supply of water, food etc. The committee also fast tracked the necessary protocols to provide geysers in all the bathrooms in the newer areas like CBMR and new multistory PG hostel considering the beginning of winters. Taking the HCWs into confidence so

that these new areas could be effectively utilized was also a major challenge. In this regard, the committee took an innovative decision of utilizing the new multistory PG hostel and CBMR residences as transit accommodation areas for a new incoming batch of HCWs until the hotel rooms were vacated by the previous batch. This decision bypassed many of the difficulties faced earlier. Simultaneously, various other possible quarantine facilities like another block of the new multistory PG hostel and the Nursing hostel are being prepared now. At present, close to 450-550 HCWs are being provided active quarantine facilities in these various facilities. The committee members keep on troubleshooting various issues with water, electricity, operation of the lifts etc. from time to time and thus remain on their toes virtually 24x7.

We know the COVID-19 is far from gone and we are in this for some more time. But we are up for this and very much look forward to the challenge.



Committee members during one of the many visits to the hotels to take stock of the facilities, requirements etc. (Clockwise: **Dr RP Singh, Dr Raghavendra, Dr Dharmendra Bhadauria, Dr Amit Gupta, Dr Narayan Prasad, Dr Kamlesh Singh Bhaisora, Dr Kuntal Kanti Das, Dr Samir Mohindra**).

### **Acknowledgement:**

The committee members would like to acknowledge the role played by Mr Hanuman Dwivedi and **Mr SK Jha**, office staffs in the new OPD block under **Dr RP Singh**, in maintaining a central registry for room allocation and co-ordination of the transport during this time period. Their services have been invaluable. We also like to specifically thank **Prof Amit Gupta**, ex-Chairman of this committee for guiding this group and leading from the front until his superannuation.

*Dr. Kuntal Kanti Das*

*For Quarantine Management Committee*

*SGPGIMS Newsletter Jul - Sep 2020*



## Medical Ethics Program in SGPGIMS

Ethics in Medical Practice is an area which is very dear to the Hon'ble Minister of Medical Education, Finance & Parliamentary Affairs, Government of Uttar Pradesh, **Shri Suresh Khanna ji**. He has emphasized on creating awareness about it and its being adopted in routine clinical practice by all the health care professionals of the State. SGPGIMS has initiated a series of programs on Medical Ethics, under the leadership of the Director, **Prof. RK Dhiman**. Each session centers around a topic related to the pandemic, is attended by SGPGI employees and their families and participants from 52 Medical Colleges of the State of Uttar Pradesh. The programs are organized and steered by **Prof. Soniya Nityanand**, Executive Registrar and **Prof. Vinita Agarwal**, Faculty I/C Ethics Cell.

### Ethics and COVID-19 Testing

The second program in this series was conducted through Video Conferencing on "ETHICS and COVID-19 Testing" **Prof. Ujjala Ghoshal**, **Prof. Rungmei S.K. Marak** and **Dr Atul Garg**, faculty members from Dept of Microbiology gave talks on the ethical challenges in monitoring laboratory testing of COVID-19, the moral responsibility of a Consultant towards protecting laboratory personnel and the challenges and moral responsibility in organizing a sample collection area for COVID-19 testing.

**Dr. Shruti Vasanth**, Senior Resident, Microbiology, spoke on the moral responsibility of a resident in timely reporting of COVID-19 testing, and **Dr. Dharamveer Singh**, Technician, Microbiology, spoke on the moral dilemma faced by a laboratory technician in COVID-19 testing. The talks were followed by a question answer session. More than 250 participants joined the program from within the Institute and from 52 Medical Colleges of the State of Uttar Pradesh.

### Ethics and COVID-19 Management

Medical Ethics focuses on a fair, balanced and moral thinking in the practice of medicine. On September 12<sup>th</sup> 2020, "ETHICS and COVID-19 MANAGEMENT" was the topic selected for a lively and interactive discussion via Video Conferencing. More than 275 participants, joined the program from within the Institute and from 52 Medical Colleges of the State of Uttar Pradesh. **Prof. Rajneesh K Singh**, Dept of Gastrosurgery, talked about moral responsibility and conduct of a HCW to prevent transmission of COVID-19 infection within the hospital, he drew upon his own experiences and urged everyone to curb risk taking behavior.

**Dr. Prerna Kapoor**, General Hospital, did justice to her topic of moral responsibility of a HCW in providing guidance for prevention of spread of COVID-19 Infection within the community.

It was pointed out that adaption to lifestyle changes necessitated by the pandemic is important in blocking the chain of infection.

**Dr Mudit Khurana**, S/R Nephrology, spoke about the ethical dilemma faced in managing new emergencies during Covid times and said that it is the moral duty of a HCW to maintain a balance and provide the best care to all patients. **Dr OP Sanjeev**, Dept of Emergency Medicine, shared his experiences on the very important topic regarding ethical concerns in handling body of a COVID-19 patient after demise and reiterated that full honor and respect be provided in this tough time by the HCW and by the society. Nursing staff, **Brother Ram Naresh**, joined via Zoom from his residence and gave an inspiring talk on the moral challenges and responsibility of nursing personnel towards COVID-19 patients in isolation. He emphasized that empathy and understanding is required for patients in isolation. The talks were followed by expression of thoughts by the audience.

## Creation and Activation of RCH-2



RCH-1(Rajdhani Covid Hospital-1) was created as a 210 bedded facility, including 120 beds of ICU. 36 private rooms were added, raising its capacity from 210 to 246 beds.

To meet the increasing demand of covid patients requiring intensive care, and as per State government directives, SGPGI expanded its ICU services. A 36 bedded, fully equipped, ICU has been created and is being activated in phased

manner. It has been named Rajdhani Corona Hospital-2 (RCH-2) This is in consonance with directives issued from the state government from time to time.

## Adoption of children affected with Tuberculosis for supervising treatment and nutritional support

On the initiative taken by Honourable Governor of Uttar Pradesh, **Smt. Anandiben Patel** to adopt underprivileged children suffering from tuberculosis, Sanjay Gandhi PGI organised a program to initiate the process and help connect the children and those who volunteered to adopt. This program was jointly organised by Dr Richa Mishra, Addl. Professor, department of Microbiology, SGPGI, Dr. Alok Nath HOD, department of Pulmonary Medicine and Dr. Perna Kapoor, Physician and Nodal Officer, National Tuberculosis Eradication Programme unit, SGPGI at Telemedicine auditorium, on 28 Sep. 2020. Dr Perna Kapoor welcomed the guests present on the occasion. Chief guest of the function, Dr Suryakant Tripathi, HOD, Respiratory Medicine, KGMU and UP state task force, highlighted the benefits of Nikshay Poshan Yojana launched by the Ministry of Health and Family Welfare, Government of India. Financial incentive of Rs. 500 per month is given to each notified tuberculosis patient for duration for which the patient is on anti TB treatment. This scheme is registered under direct benefit transfer.

**Dr RK Dhiman**, Director, SGPGI appreciated and thanked those, who came forward to be guardians to ensure proper treatment and nutrition monitoring so that the children can be completely cured and lead a healthy life. He also emphasized the need to continuously and rigorously work towards the target of completely eradicating tuberculosis from India by 2025 as per the national TB goal.

The 6 people who volunteered were

1. Dr. Amita Agarwal, Professor and Head, Department of Immunology
2. Dr. Aruna Parashar, Retired Professor, Medical Genetics
3. Dr. Afzal Azim, Professor, Critical Care medicine
4. Mrs. Bhawna Chauhan Arya, wife of Dr. Amitabh Arya, Additional Professor, Nuclear Medicine
5. Dr. Richa Mishra, Additional Professor, Department of Microbiology
6. Mr. Sanjay Jain, Office Superintendent, Director office.

No words are enough to thank those who came forward to adopt the children. The time and effort they spend will be more than compensated with the gratification they feel and the knowledge that they are helping improve the health of children and therefore securing the future of our nation

The program ended with the distribution of nutritional hampers to the children.



मेरे भी कुछ दिन गुजरे हैं तेरी बगिया के आँगन में  
मैंने भी कुछ सपने बोये थे तेरी ममता के साये में  
आया था मूर्छित प्रथम बार, जीवित रहने की थी नहीं आस।  
प्रियजन थे हारे सब निराश, चहुँओर उदासी छाई थी।  
तुमने ही तो उस सूनेपन में आशा की किरण दिखाई थी।  
नाम सुना था ईश्वर का पर पहली बारी देखा था।  
सब ठीक हो गया, अब घर जा, जब तुमने ऐसा बोला था।  
कितने सूने परिवारों में तुमने, खुशियों के दीप जलाये हैं।

कितने दुःखियों के जीवन में तुमने, आशा के फूल खिलाए हैं।  
जब से तुझ से मैं दूर हुआ सब सूना - सूना सा लगता है।  
मुझको मेरे अंतर्मन में कुछ खोया - खोया सा लगता है।  
तू उन्नति के नित सोपान चढ़े ऐसी मेरी अभिलाषा है।  
तू रोग हरे, दुःख दूर करे, बस यही हमारी आशा है।  
हे! चरक - सुश्रुत के संरक्षक, तेरे अनेक उपकार हमारे जीवन पर।  
होकर कृतज्ञ कुमुदेश तुम्हें करता है शत - शत बार नमन।

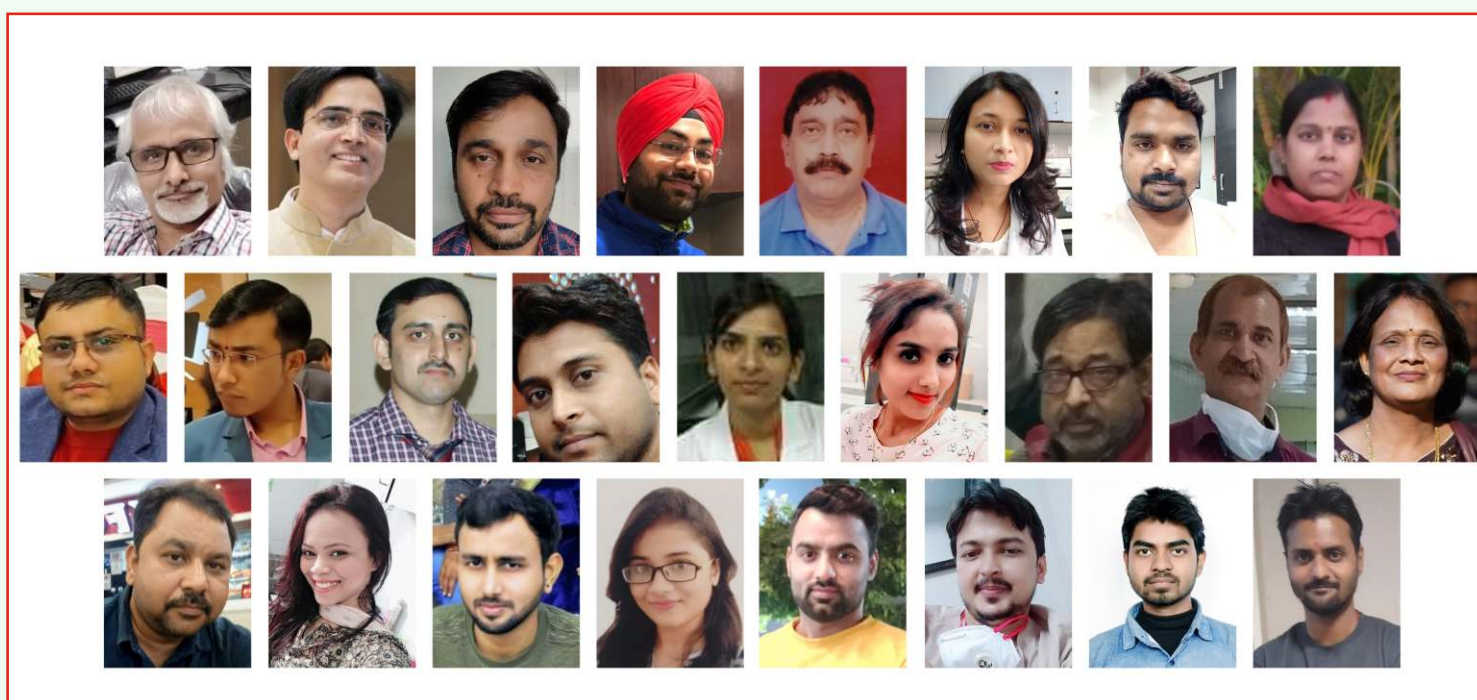
**कुमुदेश मिश्र**

Dr Kumudesh Mishra, Postdoctoral Fellow, Hebrew University of Jerusalem, Formerly Patient, Research Fellow and PhD student in SGPGI emailed his feelings for his hospital and alma mater.



## Success is determined not by whether or not you face obstacles, but by your reaction to them

It all started on March 19th 2020, when ICMR chose the Department of Microbiology from SGPGIMS for conducting RT-PCR tests. Initially COVID-19 laboratory was established for patients attending SGPGI and later this facility was extended to provide services to various districts of UP. Since the beginning, samples from almost 25 districts have been tested by our laboratory. Now the lab is processing 4000-5000 plus samples every day. Till date we have processed more than 4 lakh samples. Ours is the centre which had processed more than 6200 samples in a day, one of the highest in India, which is a matter of pride for the institute. Our department team is working 24/7 away from their families with a pure motto of service without any holidays. In the last 8 months, laboratory is not only performing RT-PCR tests, but also rapid microchip based -PCR testing i.e., TrueNAT. TrueNAT test helps in providing quick results for emergency care patients. Department started sample collection centre on March 23rd at SBI E-corner near PMSSY building. Later when the case load started increasing, 2 more collection booths near SBI E-corner and one more collection booth near RCH-1 were added.



Our department has conducted training sessions for health care workers (HCW) within the institute about donning and doffing of PPE, also training of HCW from various institutes regarding RNA extraction, handling automated extractors and RT-PCR reporting and interpretation is being regularly done.

As it is a new disease and there is dire need to gain more knowledge, the department through its consultants and residents is also actively conducting research on SARS-COV2 virus. Collaborative research projects with department of Gastroenterology and Hepatology under the able guidance of our Director **Prof R.K. Dhiman** and Faculty I/C Research were also initiated which have given fruitful results. To understand the various mutations in the virus, we are testing for various sequence variations in the virus, hoping for interesting results due to the same. Many more projects are in the pipeline.

This pandemic is like a war situation for the country and the mankind, so to work as warriors we feel obliged and proud. We have got an opportunity to work and help the country in fighting against COVID-19. In this fight not only are the members of the team supporting each other, our families are providing emotional support necessary during these difficult times.

These warriors are working round the clock, without worrying about the needles in the clock reminding to eat or sleep. They rest only when the target of the day is reached, with full happiness and contented feeling.

**Dr Shruthi Vasanth-SR, Dr Ujjala Ghoshal, HOD, Microbiology**

## "Defeat Covid 19- Poster Competition"



Keeping one's mind and body active and in shape is important throughout our entire lives, but has become especially true in the current stressful times of the COVID-19 pandemic. A creative outlet like painting helps express our feelings and emotions without taking recourse to words, expands our visual horizons, enables our mind to remain young, dynamic and strong and gives a unique feeling of accomplishment. At the same time, it provokes the thought process and creates awareness in a fun manner.

Director, SGPGIMS, **Prof RK Dhiman**, conceptualized a poster making competition for children of the employees of the Institute, with the theme "Defeat COVID-19".

The basic idea was to encourage the children to come up with novel pictorial ideas about awareness and prevention related to COVID-19. The competition held from 26th June-1st July 2020 saw an overwhelming response with nearly 250 participants.

The judges were **Prof Alok Kumar, Dean**, College of Arts and Crafts, Faculty of Fine arts, Lucknow University and **Ms Shikha Pandey, Assistant professor**, Fine arts, Techno Group of Institutions. The judges were very appreciative of the participants' creativity and unique thought process and had a tough time deciding the winners.



The prize distribution ceremony was held on 27th July 2020 in the school of Telemedicine, SGPGIMS. The occasion was graced by Chief Guest, **Hon'ble Shri Suresh Kumar Khanna ji**, Minister, Medical Education Finance and Parliamentary affairs, Govt of UP. Hon'ble minister spent a lot of time viewing the displayed posters and admired how the children had expressed their thoughts so graphically. He said that children can be the best teachers and with their sharp minds and positivity.

**Dr. Rajneesh Dube**, Addl. Chief Secretary, Govt of U.P. Medical Education Deptt, Lucknow was a special invitee. He pointed out how important these events are in terms of boosting both morale and creativity.

### The awardees were the following:

#### Under 12 years age group:

Amulya singh  
Pranav  
Nikhil garg  
Monika  
Shreshth Verma  
Praneel Sen Sharma

#### In the 13-19 years age group

Ritika Singh  
Maureen Morris  
Anant Tripathi  
Sharon Lawrence  
Sakshi Verma  
Aparna Singh

SGPGI faculty and employees joined in on the zoom platform to encourage all prize winners and participants.

**The Dean, SGPGI, Prof S K Misra and CMS, Dr. Amit Aggarwal** graced the occasion and encouraged the children.







Amulya Singh, First Prize, Under 12 Years



Pranav Singh, Second Prize,  
Under 12 Years



Nikhil Garg, Third Prize,  
Under 12 Years





Monika, Under 12 Years, Consolation Prize



Shreshth Verma, Under 12 Years, Consolation Prize



Praneel Sensarma, Under 12 Years, Consolation Prize

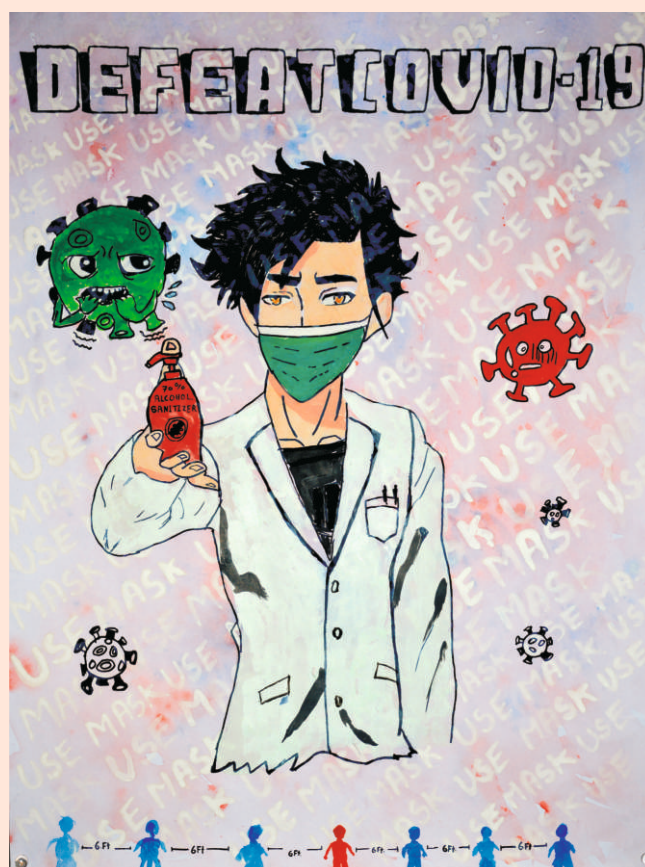




Ritika Singh, 13-19 Years, First Prize



Maureen Morris, 13-19 Years, Second Prize



Anant Tripathi, 13-19 Years, Third Prize





Aparna Singh, 13-19 Years, Consolation Prize



Sharon Lawrence, 13-19 Years, Consolation Prize



Sakshi Verma, 13-19 Years, Consolation Prize



## My Experience In Sanjay Gandhi Postgraduate Institute of Medical Sciences (SGPGIMS) Lucknow, India

Sanjay Gandhi Postgraduate Institute of Medical Sciences, is located in Uttar Pradesh in northern part of India.

I came to know about its existence in March 2018 after attending the biennial conference of Asian Association of Endocrine Surgeons, held in Aero city, New Delhi.

Being a General Surgeon, I saw the need for further specialization in my field. This would help to perfect my duty as a surgeon and decentralize patients care.

I commenced the preparation and successfully started in July 2019. During the period of my training, it encompassed clinical, academic and research exposures. I went through departmental, interdepartmental, institutional, national and international programs including conferences.

In the clinical aspect, patient load is enormous in Clinics, Wards and Operating room. I had exposures in both Open and Endoscopic surgeries and that was great.



*One of my OT experiences*



*With friends: Mallika and Nitish*

### **I had challenges, these ranged from language, food and climate.**

I had to make attempts to learn Hindi language, cope with the high spicy meals and adapt to the extremes of weather changes in Lucknow (extremely hot and cold winter temperatures).

I made friends both within and outside the departments. These friends were extremely good and helpful on my day to day needs (***Drs Suneel, Mallika, Farheen, Prof Archana Gupta*** of Radiology Department and ***Mr. Dharmendra Kumar*** of Lucknow Public School and SGPGI Taekwondo).



I wish to thank all the faculty members of Breast and Endocrine Surgery department of SGPGI Lucknow, they were all great. May God bless them all.

**Namaste**

**Dr Nneka Sunday** Practicing as consultant general Surgeon/Breast and Endocrine Surgeon in Nigeria came as Observer to Department of Endocrine Surgery, and stayed in old PG Hostel. She was accompanied by her children and has penned down her experience for the Newsletter.

## Guru Purnima And Teachers' Day

Dedicated to all spiritual and academic Gurus to express gratitude. Guru Purnima is celebrated on Purnima in the month of Ashadha (June-July). This tradition was revived by Mahatma Gandhi to pay tribute to his spiritual guru Shrimad Rajchandra. It is also known as Vyasa Purnima as it marks the birthday of Ved Vyasa.

Teachers' Day is celebrated on September 5 every year since 1962 to honour Dr Sarvepalli Radhakrishnan. He was the first Vice President of India (1952-1962) and the second President of India from 1962 to 1967.

After Dr. Radhakrishnan became President of India, students came to him and sought his permission to celebrate his birthday on September 5. Dr. Radhakrishnan politely declined their request and suggested that instead of celebrating his birthday, it would be his proud privilege if September 5<sup>th</sup> is observed as Teachers' day.

As long as we wish to learn, our teachers can be anyone. Our parents, children, friends, colleagues, and our students and patients, they all teach us some thing.

गुरुर ब्रह्मा गुरुर विष्णु गुरुर देवो महेश्वरः  
गुरुः साक्षात्परब्रह्मा तस्मै श्री गुरुवे नमः

Teacher may be close or may be far..  
But remains close to the heart..  
Teaches facts and philosophy all..  
Someone nothing at all..  
Sometimes I argued and fought..  
To get clear picture taught..  
Teacher may be here, and may be there  
Teacher may be found in a friend or enemy forever  
Nature, movie, books and everywhere  
Being a teacher, I find some in students too  
Learning and teaching is bilateral too..  
Teacher may be close or may be far..  
But remains close to the heart..

**Dr Shubha Phadke, Professor & Head, Medical Genetics**

When I see at the top of mountain with snow and ice,  
I see not the clever nor the wise,  
For his whose journey was worth his fights,  
He who never lost the horizon sight,  
Who was still standing tall, after all those summers,  
thunders & fall,  
Someone who turned the wind and the tide,  
Someone every inch the knight,  
Man whose mantle was of steel and crust of fire,  
Man who relinquished his every desire,  
For he walked on broken glass in feathers stride,  
For he who looked at the blazing sun as glaring ice,  
For I see nothing when I look at the top of the  
mountain with snow and ice,  
I see remains of the great and hopes of the twining minds.

**Dr Kanishk Markam, Junior Resident,  
Department of Nuclear Medicine**

## Quaranta Giorni..

40 days you stay away ...

Docked along the port, I pray..

The term they called as quarantine.. A stitch in time, to save nine!

The Medieval period introduced this to us...

As plague plagued Italy, the crew was cursed...

We face again horrors of the past...

Unless we gather ourselves acting timely and fast...

Corona the word, brings forth the crown... Today when I utter, it invites a frown..

Or is it worse, I ponder, is it fear now?.. A new death dancer is indeed on its prowl...

No sneeze, no cough... They've forgotten to laugh... Towns are deserted Villages are skirted ...

With maskmen galore, with gadgets advanced..

Hesitation and agony commanding a common man's stance.. It all was indeed a made in China tag..

Doesn't give a free hand though to randomly bind and gag..

Bats or pigs.. pangolins or civets

Or Is it the air, or water from the rivets?

How to contain this menace, is baffling to one and all The Stocks meanwhile continue to fall..

WHO names it as Covid - 19 ..

The crown as it were, is not losing its sheen..

While the nation of origin claims falling numbers..

Other parts of the world, continue to awaken from their slumber..

Simple measures to say the least ...

Wash your hands before your feast..

Sneeze or cough you may but use your handkerchief If you don't have one, use your elbow sleeve..

Alcohol is better utilized to manufacture hand rubs.. Cinemas and gatherings can wait, so can your popcorn tubs.. Masks work better on those symptomatic..

And an approach is mandated which is logical and pragmatic...

The globe has seen an unprecedented change in behaviour and of course a warranted one, after the advent of Covid19. Be it the mask paranoia or the void felt when hand is not wet with alcohol (a different one!). This short poem touches upon how life is changing forever including the measure of quarantine which is in practice since the medieval times when plague crippled Italy and the sailors were quarantined in their vessels for 40 days, "quaranta giorni"...

**Dr Amrit Gopan,**

**DM, Paediatric Gastroenterology Resident**



## Farewell to Stalwarts



**Professor Girish Gupta** superannuated on 30th August 2020. He joined the Institute as head of the department in March 2017. He was a major pillar of support for the department. Under his aegis, the department was able to start DM program in Neonatology which is the first in the state of Uttar Pradesh. It is due to his tireless efforts that the department has seen rapid progress in such a short span. Apart from his strong clinical and academic background, his keen interest in innovations has led to development of many clinically relevant innovations for the department. His excellent leadership and administrative skills helped department to grow rapidly. Prof. Girish's determination helped the department establish research collaborations with centres of national and international reputation.

He always inspired, encouraged and gave positive directions to all members of department. He was a man of discipline, energy, enthusiasm and honesty. His contributions to the department will never be forgotten. We wish him a healthy life and wonderful, contented post-retirement life.

### Department of Neonatology

**Professor Rakesh Pandey** superannuated on 31st August 2020. He joined the department of Pathology at SGPGIMS on 1.8.1987 as the founder faculty member and Head of the Department of Pathology. He was responsible for the creation and development of the department and established the highest standards for diagnostic and academic excellence. He worked with persistent dedication and had a profound sense of discipline and commitment. Throughout the three decade-long span of his career, Dr Pandey enriched the Department and the Institute with his clinical and academic contributions. He trained and taught several batches of students and residents in the department of Pathology and at the Institute level through the Clinico-pathology sessions, conducting 01 and 02 courses and as a chairperson for the Combined Grand Rounds. In addition, his contributions to the development of Hospital Computerization and Hospital Information System have been immense. On behalf of the department and the Institute we wish to profusely thank Professor Rakesh Pandey and wish him a very happy and contented life after retirement.



**Prof. Amit Gupta** joined the department of Nephrology in 1987 and superannuated on 31st August 2020. He did his schooling from the Doon School, Dehradun. He completed his MBBS and MD from GSV Medical College, Kanpur. After completing nephrology training from All India Institute of Medical Sciences, New Delhi, he worked as Registrar in Nephrology at Guy's Hospital, London, UK. He received formal training of Peritoneal Dialysis as Clinical Fellow of Nephrology from University of Toronto, Toronto and Western Hospital, Canada. He contributed to Nephrology as a great academician, researcher, clinician and teacher.

Prof. Gupta joined SGPGI as Assistant Professor and contributed in establishing dialysis & renal transplantation program at the institute. He was calm, quiet, efficient and a workaholic. Dr Gupta, Prof. Vijay Kher and Prof. RK Sharma were known as 'Trideo' of Nephrology. Because of their efforts our department is one of the best academic programs in nephrology across India. After taking over as Head on 1<sup>st</sup> October

2018, Dr Gupta proved himself as a great team leader and administrator with nice management skills, good sense of humour and trustworthiness.

He was among the pioneers in country to establish peritoneal dialysis in India. He had initiated Continuous Ambulatory Peritoneal Dialysis (CAPD) at SGPGIMS in 1993, which is now one of the largest PD centre in South East Asia, presently.

Prof. Gupta is the member of many national and international societies. He had organized several CMEs, other conferences including annual conference of Peritoneal Dialysis Society of India in 1998. He was the member of guideline committee of International Society of Peritoneal Dialysis and was the member of the editorial board of many national and international journals. It is simply impossible to mention all his achievements. Dr. Gupta is a world renowned Nephrologist. He has published more than 200 papers in International and National Journals.

He had inspiring team leadership. He believes in giving responsibilities to his colleagues by instilling confidence into them. Under his able leadership, the reputation of the SGPGIMS as a medical institution of excellence enhanced, tremendously.

As Head of Department of Nephrology Prof. Gupta initiated and carried out several development activities which apart from enriching infrastructure facilities, also enhanced academic excellence of the department and Institute as well. He had very efficiently taken responsibility of Quarantine Management Committee of the Institute and handled the situation during COVID19 pandemic. His great persona and achievements have inspired us a lot and would be continued in the future. He also served as chairman of HRF during this period. It was an emotional moment for me particularly and for all our faculty members, staff, nurses

& technicians involved with him since inception of the institute, to give farewell to Prof. Gupta. I have been a student of the department & taking charge of the department from your own 'Guru and mentor', mentor definitely make one very emotional and inspired. To carry over the legacy of such a gentleman and academician is challenging for the department.

The farewell function of Prof. Gupta was very poignant & touching for everyone. On 30th September, everyone in the institute, including faculty members and staff wanted to fondly bid goodbye to Prof. Amit Gupta. There was a very touching situation in all part of the institute, the director office, the HRF, the dialysis & ward staff and the faculties for saying Goodbye to his beloved faculty. The present faculty members Prof. A Kaul, Dr. Dharmendra, Dr. Anita Saxena, Dr. Ravi Kushwaha, Dr. Manas Patel, Dr. Manas R Behera, the past faculty members, Prof. Vijay Kher, Prof. RK Sharma, Dr. Sanjay Agarwal, Dr. Pradeep Arora from USA, Dr. Sanjeev Gulati, all students from all corner of India joined the online function to say hello & goodbye to this great teacher who knows how to inculcate wisdom, sincerity and discipline in to their students.

**Prof. Narayan Prasad, Head, Department of Nephrology**

## Obituary



Late Dr. T.N. Dhole, former Professor & Head, Dept. of Microbiology at the SGPGI played a major role in establishing an independent department of Microbiology. He succumbed to Covid-19 on 22-09-2020 after a brief illness. He was born in 26th November 1953 in Lucknow. He had done his M.B.B.S., from Shivaji University, Kolhapur (Maharashtra), in 1979 and M.D. (Microbiology), from Dr. V.M. Medical College Solapur (Maharashtra) in 1982. He was associated with Sanjay Gandhi Post Graduate Institute of Medical Sciences, Lucknow since May 1988 to November 2018 till his superannuation in November 2019.

He had a distinguished academic career of over 30 years with a rich in experience in viral diagnostics, teaching and research. He was instrumental in establishing the virology section, department of Microbiology at SGPGIMS. He had to his credit 145 publications and presented numerous papers in National & International Conferences and trained many MD and PhD students.

He had worked with WHO since 1998 till his superannuation. He played a major role in eradication of poliomyelitis in Uttar Pradesh & Bihar. His thrust areas of research included studies of different aspect of Polio, Measles, Viral Encephalitis in UP specially Japanese Encephalitis, mostly focusing on mechanism of JE entry into Blood Brain Barrier and predominance of viral transcription over cellular translation in virus infected cells. His other prominent scientific research focused on new enteroviruses in children suffering from acute viral encephalitis in Gorakhpur and Metagenomics viral analysis. He was also Member of the task force of ICMR and helped in creation of Virology Laboratories in different medical colleges. He was a member of several academic bodies and was also an advisor to the National Immunization programme. He was recipient of many prestigious awards like Dr. S.C. Agarwal Oration award in 2011 by Indian Association of Medical Microbiologist, Prof. U.C. Chaturvedi oration award by IAMM UP Chapter in 2014 and Dr. S. R. Naik award for best researcher in 2015 from SGPGI. He was elected as President of Indian Association of Medical Microbiology in 2017.

He had been awarded with several prestigious international fellowships like JICA fellowship at Nagoya University, Japan; WHO fellowship at CDC, Atlanta USA; Japanese Society for Infectious Disease Fellowship at Institute of Tropical Medicine, Nagasaki, Japan; and Bio-risk Management course of WHO at Geneva Switzerland.

He will always be remembered for his contribution towards the growth and development of Virology.

**Dr. Ujjala Ghoshal, Microbiology**



Shri Umesh Chandra Srivastava passed away at the age of 56 after battling Covid-19 infection. He joined the institute on 17th December 1991 as attendant. He was extremely humble, helpful and soft spoken. After struggling with the disease, he left for his heavenly abode on 28<sup>th</sup> September 2020. His memories will always remain with SGPGIMS family.

## Mortal

Slowly,  
I have given you a gradual death  
Almost as if fighting for the end  
Emotions dying, gasping, trying  
One last cry one last time.

Every morning the sun comes up  
Sunshine kills my million dreams

Waking up, I yearn for them  
But they walk away  
A hint of perfume lingers behind  
Maybe its sandalwood?

But all I get is a sense of dismay  
The last moments of parting ways

I pray to God for the end  
To be peaceful and as sudden as fate  
And may you be born again  
As a wailing baby  
But this time miles away.

**Dr Sakeena Jahan,  
Senior Resident, Emergency Medicine**



## स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुरस्कार वितरण



संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान में स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर हर वर्ष संस्थान परिवार के विभिन्न संवर्ग के कर्मठ कर्मचारियों को सम्मानित किया जाता है।

इस वर्ष संस्थान के निदेशक प्रोफेसर राधाकृष्ण धीमन ने उत्कृष्ट कार्य दक्षता हेतु इन सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें सम्मानित किया :

1. नर्सिंग संवर्ग श्रीमती नारदी भट्ट, नर्सिंग अधीक्षका  
श्रीमती नीलम खोखर, उप नर्सिंग अधीक्षका
2. तकनीशियन संवर्ग श्री वी श्रीधरन, वरिष्ठ तकनीकी अफसर,
3. लेखा संवर्ग डॉ हरेन्द्र कुमार, वरिष्ठ लेखाधिकारी,  
श्री लालता प्रसाद, सहायक लेखाकार
4. प्रशासनिक संवर्ग श्री हनुमान शंकर त्रिपाठी, पी पी एस  
श्री मुकेश सक्सेना, सहायक प्रशासनिक अधिकारी  
श्री राजेश पाल, अवर वर्ग सहायक
5. अभियंत्रण विभाग श्री तुलसी झा
6. अस्पताल सहायक श्री राम सहाय सिंह यादव व श्री बंशीलाल,
7. संविदा कर्मी श्री विजय यादव एवं श्री अजय कुमार सिंह, डाटा एंट्री ऑपरेटर,

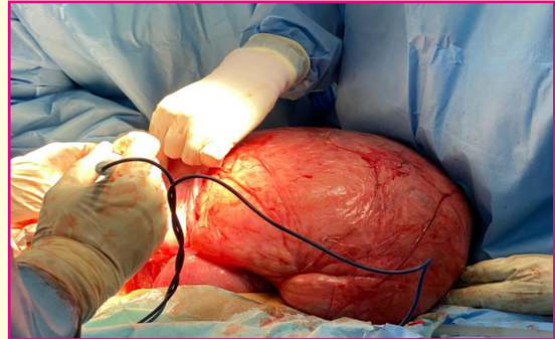
ये सभी लोग बधाई के पात्र हैं और आशा है इसी तरह उत्तम कार्यशैली से कार्य करते हुए अपने सह कर्मियों का भी मनोबल बढ़ाएंगे।

## परिवारिका-एक कहानी

आदमी-आराध्य, सेवा साधना है आज मेरी।  
साधना का प्राण जन-जन की अकथ पीड़ा घनेरी।।  
नयन का निर्मल्य ही अन गंग-नीर पवित्र करता।  
दूसरे की परि भरती स्वांस में अर्जित प्रखरता।।  
आचमन आत्मीयता का, प्रेम का चंदन सुहाता।  
हर दुःखी जन के लिए, स्नेह अन्तर का लुटाता।।  
आज माला पर दुःखो की भावना के साथ फेरी।  
आदमी-आराध्य, सेवा साधना है आज मेरी।।  
मखमली आशीष में गुरु के - मिला लिपटा खजाना।  
मनुज-जीवन की सफलता-अनन्य जीवन बिताना।।

शिल्पी सिंह  
न्यूरो सर्जनी वार्ड-A

## Giant Retroperitoneal Tumour Removal with Pregnancy Salvage



A 29 year old pregnant female( first pregnancy) came to gynaecology OPD in General Hospital with the complaint of gross abdominal swelling. She was referred to SGPGIMS from Kanpur as high risk case because of the large abdominal mass complicating pregnancy.

After careful evaluation we inferred that the abdominal mass if not excised could lead to abortion or could prove to be malignant. After proper counselling regarding risk to the fetus, the patient decided to continue pregnancy while choosing to undergo surgical treatment.

To provide the best possible treatment we consulted Radiology, Gastrosurgery, Genetic experts of our institute. For this case Anaesthetic support was also very important. Dr Ruchi, consultant and Dr Ganesh, Senior resident, Anaesthesia did their job with utmost perfection. Well supported with the efforts of our Senior Gastrosurgeon Dr Rajneesh Kumar Singh we were able to salvage the pregnancy and removed the tumour completely at General Hospital. The excised mass was of 35x 30 cm dimension and of 10.4 kg weight.

Post surgery the patient underwent uneventful recovery and her foetus continued to be viable. Histopathology showed the tumour to be benign.

**Team of doctors :** Dr Anju Rani, Dr Deepa Kapoor, Dr Rajneesh K Singh, Dr Ruchi Verma, Dr Ganesh Singh, **Dr Anju Rani, Senior Gynaecologist, General Hospital**

### Neonatal Nutrition e-workshop

The department of Neonatology at Sanjay Gandhi Postgraduate Institute of Medical Sciences, Lucknow, organized an online Neonatal Nutrition Workshop on 29th September 2020 as part of UP e-Neocon 2020. Neonatal nutrition is a very important component of neonatal intensive care. Nutrition has very important role in improving short term neonatal outcomes. Long term brain function and adult outcomes are also significantly affected by nutrition in early life. Fine tuning in decision making of nourishment through gut and intravenous line is equally important. There is immense need of training of paediatric specialists in innovative, sophisticated and advanced methods of nutrition in neonates. This workshop focused on imparting fundamental knowledge and skills required for practicing ideal neonatal nutrition. Due to ongoing corona pandemic, the workshop was conducted on online interactive platform and was attended by 105 participants. The program included lectures, demonstration and discussions. The program was conducted by faculty from dept of Neonatology, SGPGIMS and included Prof Girish Gupta, Dr. Kirti M Naranje, Dr. Anita Singh, Dr. Aakash Pandita and Dr. Niranjana K Singh from Vivekanand hospital. The program got good feedback from all the participants. The department of Neonatology at SGPGIMS is committed to conduct future workshops on different aspects of neonatology with the aim to train doctors from state of Uttar Pradesh in art of neonatal care.

### (SCAN) e-workshop by Department of Neonatology

Sonographic clinical assessment of newborn, (SCAN) e-workshop was held as a part of workshops organized in state Neonatology conference-UP e-Neocon 2020. It was a 2-day workshop on virtual interactive e-platform held on 30 th September 2020 and 1 st October 2020. The workshop was coordinated and organized by faculty members Dr. Kirti Naranje and Dr. Anita Singh. The faculty for the workshop included experts from University of Calgary, Canada and included Dr. Majeeda Kamaluddeen, Dr. Khorshid Mohammad, Dr. Sumesh Thomas, Dr. Hussein Zein, Dr. Lara Leisjer and Dr. Amelie Stritzke. Through this unique teaching platform, the participants had the opportunity to learn and interact with experts in the field with recorded lectures, interactive quizzes and videos of live demonstrations. The hands-on -live demonstration was followed by interactive Q &A sessions. The participants had the opportunity to upload images after the workshop which was reviewed by experts. The workshop focused on imparting fundamental knowledge and skills required for using point of care ultrasound methods in assessing newborn's clinical status. The workshop received overwhelming response and was attended by 45 participants. The department of Neonatology at SGPGIMS is committed to conducting future workshops on different aspects of neonatology with the aim to train doctors from state of Uttar Pradesh in the field of neonatal care.

### Senior residents of Neonatology department bring laurels to Institute

In a recently conducted **Uttar Pradesh State e-Neocon 2020**, the senior residents of department of Neonatology brought laurels to the institute by receiving awards in the conference. They presented posters and free papers during the conference, organised from 1st October 2020 to 4th October 2020. **Dr Abhijeet Roy**, 2nd year DM resident stood first in the poster presentation session.

**Dr. Harkirat Kaur**, 2nd year DM resident was awarded second position in the free paper presentation session.

**Dr. Anupama Pandey** (PDCC fellow) grabbed the third position.

The Poster & paper presentation session was chaired by eminent faculty from the state.



**Dr. Abhijeet Roy**



**Dr. Harkirat Kaur**



**Dr. Anupama Pandey**



## Convalescent Heroes

**Dr Rohit**, senior Resident in Ophthalmology was the first SGPGI staff member to undergo plasmapheresis after recovering from Corona. He was so enthusiastic and motivated that he wanted to come and give plasma on the day of his discharge. **Dr Jyotsna Jaiswal JR2** Anesthesiology became the first woman plasmapheresis donor in the Institute. Kudos to her for coming forward to help needy covid patients with convalescent plasma. Inspired by this act another Anesthesia resident **Dr Neeraj Pal Singh JR2** donated whole blood. **Dr Zafar Neyaz**, Additional Professor Radiology donated convalescent plasma after his recovery from covid infection. Salute to our Corona Warriors who are fighting this pandemic with their sweat and blood.



### Appreciation for sister Noorani

Inspite of a Covid positive patient in our ICU in July, no HCW tested positive.

Sister Noorani went to each person in the dept, issued N95 masks, taught everyone how to use it and checked on everyone regularly.



*Dr Banani Poddar, Professor & Head,  
Critical Care Medicine*

### Mr. Hanuman Shanker Tripathi



Shri. Hanuman Shanker Tripathi who superannuated from SGPGIMS on 30th August 2020 joined the institute on 01st March 1988 as a stenographer. He was promoted to principal private secretary (PPS). During his entire service period he had been a sincere, humble and hardworking person and was popular among faculty and staff. He was also attached with Executive Registrar and Dean's Office.

We wish him a very happy, healthy and content life.

17 सितम्बर, 2020 को एस जी पी जी आई में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 71वें जन्म दिवस के अवसर पर संस्थान परिसर में 101 पीपल के पेड़ों का वृक्षारोपण किया गया।



## Superannuations



Sri Ashish Mukhopadhyaya



Sri Bagga Singh



Mrs. Manju Pal



Mrs. Rekha Mishra



Sri Abrar Ahmad



Mrs. Shalini Khan



Sri Jai Mangal Yadav



Sri Anoop Saxena



Sri Dilip Kumar



Sri Puran Singh Bisht



Sri Shatrughan Lal



Sri U.C. Tripathi



Sri V. Sridharan

We wish all the members of our SGPGI family, who superannuated, good health, fitness and contentment. They were all true professionals in their fields and completed their tenure with utmost dedication and hard work. They gave exemplary services to their respective departments. We wish them all the best for the next phase of their life and hope that they will now have time to nurture hobbies and interests. **"Retirement isn't the end of the road, but just a turn in the road"** and **"Retirement is a time to enjoy the things you never could before"**

Published by Prof. R. K. Dhiman, Director, SGPGIMS, Lucknow

Editorial Board : Dr Prerna Kapoor, Dr Anu Behari, Dr Shantanu Pande, Dr Ankur Bhatnagar, Dr Rahul Katharia,  
Dr Khaliqur Rahman, Mrs Neema Pant, Mrs Kusum Yadav

Photographer : Mr. Anil Kumar E-mail : [newslettersgpgi@gmail.com](mailto:newslettersgpgi@gmail.com)

Designed & Printed : Pratibha Printing Press, Lucknow (U.P.) Ph.: 0522-4002656